

वायु प्रदूषण से निपटान हेतु 10,000 करोड़ रुपए की परियोजना

चर्चा में क्यों

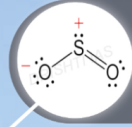
हरियाणा के मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार [वायु प्रदूषण](#) से निपटने के लिये जल्द ही [वशिव बैंक](#) द्वारा वित्तपोषित 10,000 करोड़ रुपए की परियोजना शुरू करेगी

■ मुख्य बिंदु:

- परियोजना विभिन्न चरणों में क्रियान्वित की जाएगी। प्रारंभिक चरण [राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र \(NCR\)](#) में आने वाले जिलों पर केंद्रित है, जिसे बाद में पूरे राज्य में लागू किया जाएगा। हरियाणा के [वायु गुणवत्ता नगरानी अवसंरचना](#) में सुधार परियोजना का हिस्सा है, जिसमें अत्याधुनिक प्रयोगशाला की स्थापना और मौजूदा प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण शामिल है।
 - परियोजना के कार्यान्वयन की देखरेख के लिये एक समर्पित कार्यक्रम प्रबंधन इकाई की स्थापना की जाएगी।
- इसमें [वायु गुणवत्ता प्रबंधन](#) में लगे हतिधारकों के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं
- परियोजना का लक्ष्य [परविहन, उद्योग, निर्माण, सड़क की धूल, बायोमास दहन और घरेलू प्रदूषण](#) है।
 - इसका उद्देश्य [स्वच्छ वाहनों](#) को बढ़ावा देना, [इलेक्ट्रिक वाहनों](#) को अपनाने को प्रोत्साहित करना तथा पुराने, प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है।

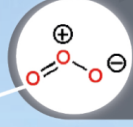


वायु प्रदूषक



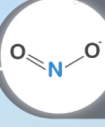
सल्फर डाइऑक्साइड (SO₂):

- परिचय: यह जीवाश्म ईंधन (तेल, कोयला और प्राकृतिक गैस) के उपभोग से उत्पन्न होता है तथा जल के साथ अभिक्रिया कर अम्ल वर्षा करता है।
- प्रभाव: श्वास संबंधी समस्याओं का कारण बनता है।



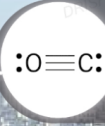
ओजोन (O₃):

- परिचय: सूर्य के प्रकाश में अभिक्रिया के तहत अन्य प्रदूषकों (छत्र और टक्के) से बनने वाला द्वितीयक प्रदूषक।
- प्रभाव: आँख और श्वसन संबंधी श्लेष्म झिल्ली में जलन होना तथा अस्थमा के दौर।



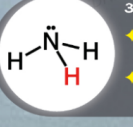
नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (NO₂):

- परिचय: यह तब बनता है जब नाइट्रोजन ऑक्साइड (छत्र) और अन्य नाइट्रोजन ऑक्साइड (नाइट्रस एसिड और नाइट्रिक एसिड) हवा में अन्य रसायनों के साथ प्रतिक्रिया करते हैं।
- प्रभाव: श्वसन रोग साथ ही यह अस्थमा को भी बढ़ा सकता है।



कार्बन मोनो ऑक्साइड (CO):

- परिचय: यह कार्बन युक्त यौगिकों के अधूरे दहन से प्राप्त एक उत्पाद है।
- प्रभाव: मस्तिष्क तक ऑक्सीजन की अपर्याप्त पहुँच के कारण थकान होना, भ्रम की स्थिति पैदा होना और चक्कर आना।



अमोनिया (NH₃):

- परिचय: अमीनो एसिड और अन्य यौगिकों के चयापचय द्वारा उत्पादित जिनमें नाइट्रोजन उपस्थित होता है।
- प्रभाव: आँखों, नाक, गले और श्वसन मार्ग में तुरंत जलन और इसके परिणामस्वरूप अंधापन, फेफड़ों की क्षति हो सकती है।



शीशा/लेड (Pb):

- परिचय: चाँदी, प्लैटिनम और लोहे जैसी धातुओं के निष्कर्षण के दौरान अपने संबंधित अयस्क से अपशिष्ट उत्पाद के रूप में मुक्त होता है।
- प्रभाव: एनीमिया, कमजोरी और गुदरे तथा मस्तिष्क की क्षति।

संक्षिप्त पराबंजक/पर्याप्तगुणवत्ता सूचकांक (PM):

- PM₁₀: ऐसे कण जो श्वास के माध्यम से शरीर में प्रवेश करते हैं, इनका व्यास सामान्यतः 10 मिमी. या उससे भी कम होता है।
- PM_{2.5}: ऐसे सूक्ष्म कण जो श्वास के माध्यम से शरीर में प्रवेश करते हैं, इनका आकार सामान्यतः 2.5 मिमी. या उससे भी छोटा होता है।
- स्रोत: ये इनके उत्सर्जन निर्माण स्थलों, कच्ची सड़कों, खेतों/मैदानों तथा आग से उत्सर्जित होते हैं।
- प्रभाव: हृदय की धड़कनों का अनियमित होना, अस्थमा का और गंभीर हो जाना तथा फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी।

नोट: इन प्रमुख वायु प्रदूषकों को वायु गुणवत्ता सूचकांक में शामिल किया गया है जिसके लिये अल्पकालिक राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक निर्धारित किये गए हैं।

//

वशिव बैंक

परिचय:

- इसे वर्ष 1944 में IMF के साथ मलिकर पुनर्नरिमाण और विकास के लिये अंतरराष्ट्रीय बैंक (IBRD) के रूप में स्थापित किया गया था। बाद में IBRD वशिव बैंक बन गया।
- वशिव बैंक समूह पाँच संस्थानों की एक अनूठी वैश्विक साझेदारी है जो विकासशील देशों में गरीबी को कम करने और साझा समृद्धिका नरिमाण करने वाले स्थायी समाधानों के लिये कार्य कर रहा है।
- वशिव बैंक संयुक्त राष्ट्र की वशिष्ट एजेंसियों में से एक है।

सदस्य:

- 189 देश इसके सदस्य हैं।
- भारत भी इसका सदस्य है।

